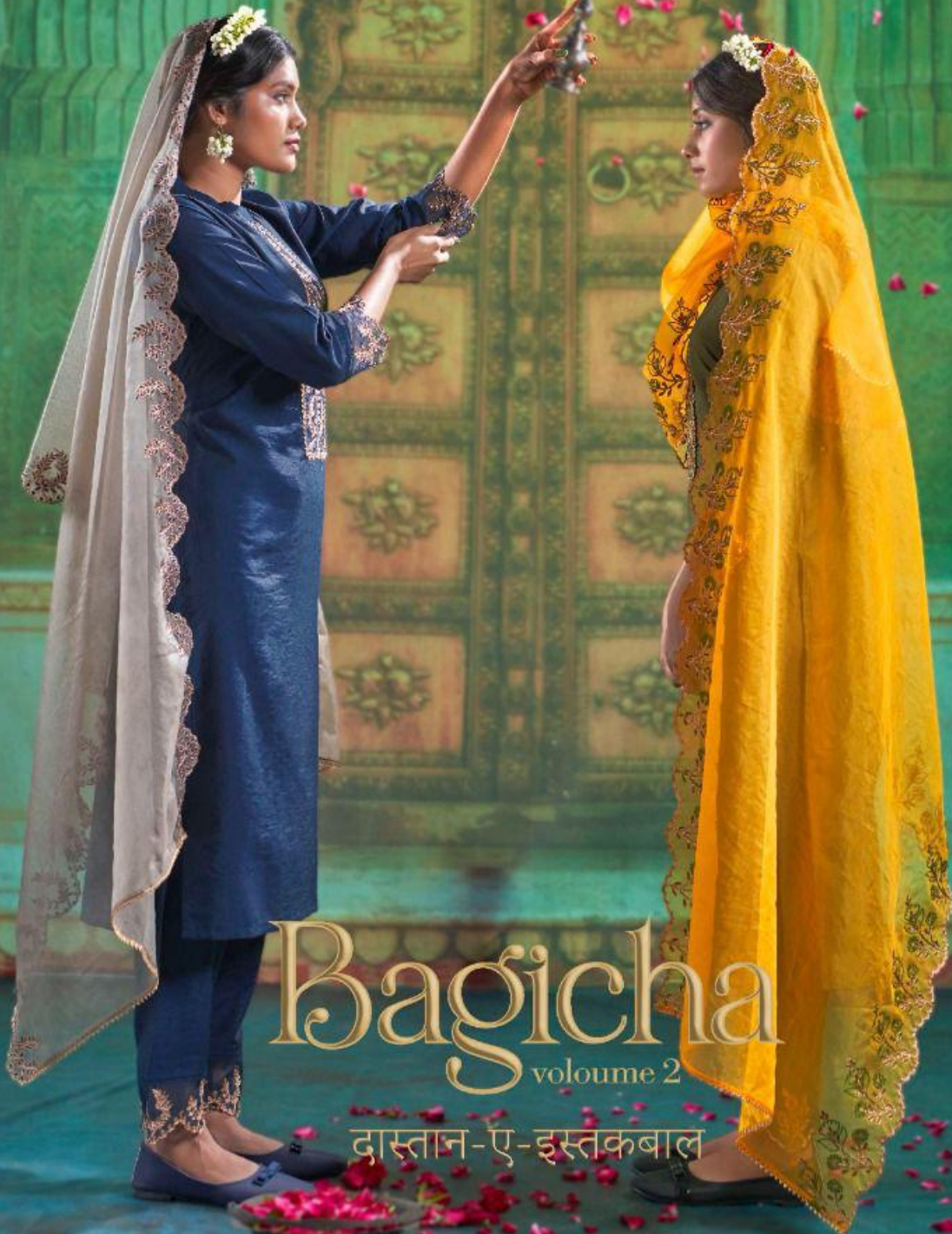




KALKI

fashion

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha
volume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल





KALKI

DESIGNER: KALKI



K 50001

दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग की, जग्गी पी के संग
तन मेरो मन-पियो को, दोउ भए एक रंग







KALKI

THE ART OF ELEGANCE



K 50002

दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग की, जागी पी के संग
तन मेरो मन पियो को, दोउ भए एक रंग





KALKI

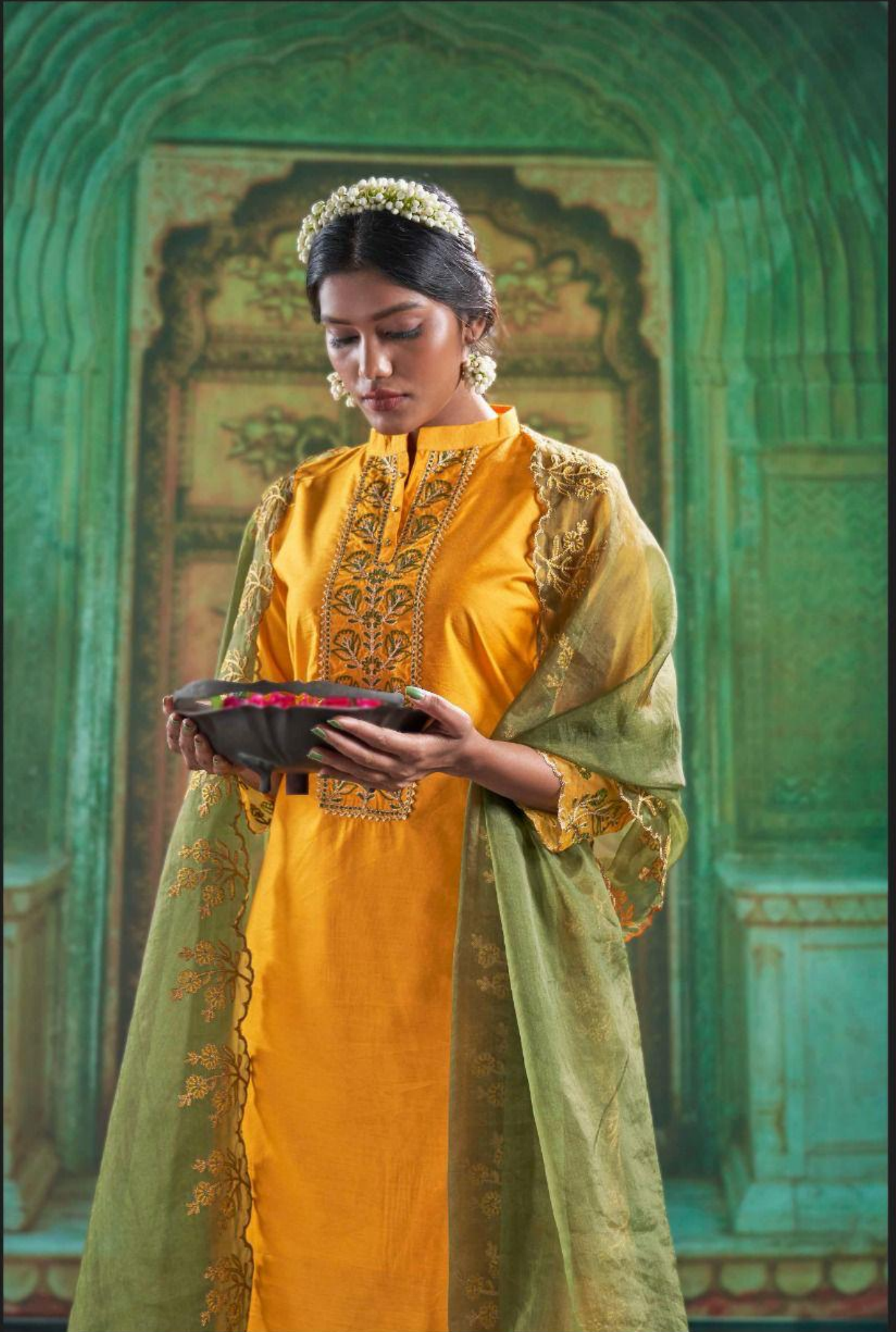
Fashion

ESTABLISHED IN 1985



K 50003







K 50004



KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50005



दास्तान-ए-बुरकबाल

खोई खोई सी अखियाँ है जिसकी हूरी, कदमों के साथ जिसके साथ है उसका नूरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी अदब है कित्ती, रक्तनी रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदुरी"



KALKI

for her

CLASSIC ELEGANCE



K 50006



दास्तान-ए-इस्तक़्वाल

खोई खोई सी अंखियां है जिनकी तूरी
माहेरु जिस्म संग हूँ है उसका नूरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी सदा है किम्वरी,
रुहानी रिश्ते का गवाह है ये राग "सिंदूर"



K 50001

K 50002

K 50003



K 50004

K 50005

K 50006

दास्तान-ए-इस्तकबाल

सौंदर्य ही संसार है जिधकी हूँ, मरिह किस रंग हूँ हे जलका तूरी
 केरनाह सख्तो ने तुमी जिहकी अह हे किल्ली, कहांही दिले का मखद हे रे रे का "सिंदूरु"

